No. of Printed Pages : 4

ES-201

CERTIFICATE IN PRIMARY TEACHING (CPT)
Module 1 of DPE

Term-End Examination 21684

June, 2010

ES-201 : TEACHING OF LANGUAGE

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are **compulsory**.*
*(ii) All questions carry **equal** weightage.*

1. Answer the following question in about ***600*** words :

Explain with examples various strategies for developing language learning skills at primary stage ?

OR

"Teaching learning of Language is assigned a weightage of about 30% of the total primary school curriculum" Justify the importance of language teaching in the light of objectives and skills by language learning at this stage.

2. Answer the following question in about ***600*** words :

Explain with appropriate examples, how language can effectively be developed through different co-curricular activities ?

OR

What sub-skills are involved in development of writing skill ? Explain with examples different types of activities for developing writing skill.

3. Write short notes on ***any four*** of the following :

(a) Explain briefly different abilities involved in the concept of reading readiness.

(b) Illustrate with examples different strategies for developing speaking skills.

(c) Dictation as a technique for developing writing skills.

(d) Use of A.V. aids in language development.

(e) Use of Electronic media for language teaching.

(f) Writing errors and their remedial teaching.

4. Prepare a blue print for comprehensive evaluation of writing skills for class V using objective type, short answer type and long answer type questions.

ई.एस.-201

प्राथमिक अध्यापन में प्रमाण-पत्र (सी.पी.टी)
डी.पी.ई. का मॉड्यूल 1

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

ई.एस.-201 : भाषा का शिक्षण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : (i) ***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*(ii) **सभी** प्रश्नों की भारिता समान है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दें :

प्राथमिक स्तर पर भाषा अधिगम कौशलों के विकास के लिए युक्तियों को सौदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''समग्र प्राथमिक विद्यालय पाठ्यचर्या में भाषा-अध्यापन-अधिगम को लगभग 30% भारिता दी जाती है'' इस स्तर पर भाषा अधिगम के उद्देश्यों और कौशलों के प्रकाश में भाषा अध्यापन के महत्त्व का औचित्य सिद्ध करें।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दें :

उपयुक्त उदाहरण देते हुए व्याख्या करें कि विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाओं द्वारा किस प्रकार भाषा का विकास प्रभावी रुप से किया जा सकता है?

अथवा

लेखन कौशल के विकास में कौनसे उप-कौशल सम्मिलित होते हैं? लेखन कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न प्रकार के क्रिया कलाप की उदाहरण सहित व्याख्या करें।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(a) पठन तत्परता अवधारणा में सम्मिलित विभिन्न योग्यताओं का संक्षिप्त व्याख्या करें।

(b) मौखिक अभिव्यक्ति के विकास के लिए प्रयुक्त विभिन्न कार्यनीतियों की उदाहरण सहित व्याख्या करें।

(c) लेखन कौशलों के विकास में एक तकनिक के रूप में श्रुतलेखन।

(d) भाषिक विकास में श्रव्य-दृश्य साधनों का उपयोग।

(e) भाषा अध्यापन में इलैक्ट्रानिक मीडिया का उपयोग।

(f) लेखन संबंधी त्रुटियाँ (अशुद्धियाँ) तथा उनका उपचारी अध्यापन।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दें :

वस्तुनिष्ठ प्रकार, लघु उत्तर प्रकार तथा दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्नों का उपयोग करते हुए लेखन और बोध कौशलों के व्यापक मूल्यांकन के लिए एक ब्लूप्रिंट तैयार करें।